



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 13 जून, 2005/23 ज्येष्ठ, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला-9, 21 मई, 2005

संख्या पी सी एच-एच 0 ए 0 (3) 3/2004.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक को नियुक्ति और सेवा शर्तें) नियम, 2005 का प्रारूप, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्या 4) की धारा 186 के उपबन्धों के अधीन यथा प्रेरित, इस विभाग को ममसंकर अधिसूचना तारीख 4 फरवरी, 2005 द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में 5 फरवरी, 2005 को आक्षेपों और सुझावों को आमन्त्रित करने के लिए प्रकाशित किया गया था ;

और नियत अवधि के दौरान प्राप्त किये गये आक्षेपों/सुझावों पर राज्य सरकार द्वारा, समयक रूप से विचार किया गया ।

10

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्या 4) की धारा 186 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को क्रिया में लाए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकों की नियुक्ति और सेवा शर्तें) नियम, 2005 है ।

2. परिभाषाएं.—(1) इन नियमों में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 अभिप्रेत है ;
- (ख) “फोल्ड कार्यालयों” से ग्राम पंचायतों के कार्यालय अभिप्रेत हैं ; और
- (ग) “प्ररूप” से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं, परन्तु परिभाषित नहीं किये गये हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं ।

3. पदों की संख्या और उनके वेतनमान.—प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक का एक पद होगा और उसे प्रशिक्षण के दौरान छह सौ रुपये प्रतिमास और नियुक्ति के पश्चात् एक हजार रुपये प्रति मास पारिश्रमिक संदत्त किया जायेगा । पारिश्रमिक, सम्बन्धित ग्राम पंचायत द्वारा संदत्त किया जाएगा जिसके लिए राज्य सरकार सहायता अनुदान का उपबन्ध करेगी :

परन्तु जिस ग्राम पंचायत में पहले ही पंचायत सचिव नियुक्त हैं वहां पंचायत सहायक नियुक्त नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह और कि ग्राम पंचायत अपने स्त्रोतों से प्राप्त निधि से जहां तक अनुज्ञात हो पंचायत सहायक को उच्चतर पारिश्रमिक दे सकेंगी ।

4. अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं.—(1) पंचायत सहायक के रूप में नियुक्त किये जाने वाले अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से द्वितीय श्रेणी में दसवीं पास या इसके समकक्ष होनी आवश्यक है :

परन्तु यह कि सरकार द्वारा, अधिसूचना संख्या पी सी एच-एच0 बी0 (1) 43/01-25462-667, तारीख 20 अगस्त, 2001 का अधिसूचित स्कीम के अधीन ग्राम पंचायत द्वारा पहले से ही नियुक्त पंचायत सहायक भी इन नियमों के अधीन नियुक्ति के लिए पात्र होगा ।

5. आयु और अन्य पात्रता शर्तें.—पंचायत सहायक के रूप में नियुक्ति किये जाने के लिए कोई व्यक्ति पात्र होगा यदि वह,—

- (क) वर्ष की प्रथम जनवरी, जिसमें वह पद के लिए आवेदन करता है, को 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुका हो ;
- (ख) सम्बन्धित जिले का स्थायी निवासी हो ;
- (ग) स्वस्थ और अच्छे स्वास्थ्य का हो ;
- (घ) लोक सेवा में नियुक्ति के लिए निरहित न हुआ हो या अनुशासनिक आधारों पर लोक सेवा से हटाया न गया हो या किसी स्वेच्छा निवृत्ति स्कीम के अधीन स्वेच्छा निवृत्ति न ली हो ;
- (ङ) नैतिक अधमता में अन्तर्बलित किसी अपराध में दोष सिद्ध न हुआ हो ; और
- (च) उसके पास राज्य सरकार या ग्राम पंचायत को देय कोई परादेय outstanding dues न हो ।

6. आवेदन आमन्त्रित करने और चयन के लिए प्रक्रिया.—(1) ग्राम पंचायत, व्यापक प्रचार करते हुए ग्राम पंचायत, पटवारखाना, महिला मण्डल भवन, युवक मण्डल भवन, सामुदायिक केन्द्र इत्यादि के सूचनापट्ट पर सूचना द्वारा आवेदन आमन्त्रित करेगी । सूचना की एक प्रति सम्बन्धित विकास खण्ड के खण्ड अधिकारी के कार्यालय के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित की जायेगी । आवेदन आमन्त्रित करने के लिए पन्द्रह दिनों की न्यूनतम अवधि,

सूचना की तारीख से दी जायेगी और यथास्थिति आवेदन ग्राम पंचायत के प्रधान द्वारा या सचिव द्वारा प्राप्त किया जायेगा। आवेदन यथास्थिति, प्रधान या सचिव द्वारा सम्यक् रूप में हस्ताक्षरित और स्वीकृत न होने पर अस्वीकृत किया जायेगा।

(2) आवेदन आमन्त्रित करने के लिए विनिर्दिष्ट प्रवधि के अवधान के ठीक पश्चात्, प्राप्त किये गये समस्त आवेदनों को सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी को भेजा जायेगा और वह ग्राम पंचायत अनुसार पंचायत सहायकों के साक्षात्कार संचालित करने के लिए तारोख, समय और स्थान निश्चय करेगा। खण्ड विकास अधिकारी, चयन समिति के सदस्यों के साथ-साथ आवेदकों को भी, साक्षात्कार के लिए नियत की गई मान प्रत्यूची की सूचना देते हुए, एक नोटिस जारी करेगा :

परन्तु यह कि नोटिस जारी करने की तारीख और साक्षात्कार की तारीख के बीच में न्यूनतम दस दिनों की अवधि का अन्तर रहेगा।

(3) साक्षात्कार निम्नलिखित चयन समिति द्वारा संचालित किया जायेगा :—

- | | |
|---------------------------------------|---------------|
| (i) अध्यक्ष पंचायत समिति | .. अध्यक्ष |
| (ii) सम्बन्धित ग्राम पंचायत का प्रधान | .. सदस्य |
| (iii) खण्ड विकास अधिकारी | .. सदस्य सचिव |

(4) चयन समिति प्रमाण-पत्रों का उनके मूल प्रमाण-पत्रों के साथ सत्यापित करेगा। समिति के अध्यक्ष को अपूर्वाजित करते हुए आधे से अग्र्यून सदस्य कारम का भठन करेंगे।

(5) खण्ड विकास अधिकारी, अभ्यर्थियों द्वारा उनके आवेदनों सहित दी गई सूचना के आधार पर, इसके नीचे दिये गये मापदण्ड का अनुसरण करते हुए, एक आंकड़ा सूची का संकलन करेगा और उक्त आंकड़ों को संकलित करने का कार्य साक्षात्कार की तारीख से पूर्व पूर्ण हो जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करेगा कि यह आंकड़े, चयन समिति को साक्षात्कार की तारीख पर, इसके सत्यापन के लिए अभ्यर्थियों द्वारा साक्षात्कार की तारीख पर लाये गये मूल रिकार्ड के साथ उपबन्धित करवाये। अभ्यर्थियों का चयन उनकी योग्यता (Performance) के आधार पर पूर्णतः गृहानुग आधार पर एक से अधिक अंकों में से किया जायेगा जोकि निम्नलिखित रीति में विभाजित किये जायेंगे, अर्थात् :—

(क) शैक्षणिक अर्हताएं :

- | | |
|---|------------------------|
| (i) दसवीं में या इसके समकक्ष प्राप्त अंकों की प्रतिशतता को 3.3 द्वारा विभाजित करके | .. अधिकतम 30 अंकों तक। |
| (ii) दस जमा दो 10+2 में अंकों की प्रतिशतता को 20 द्वारा विभाजित करके | .. अधिकतम 5 अंकों तक। |
| (iii) उन अभ्यर्थियों के लिए जिन्होंने दस जमा दो (10+2) में वाणिज्य एक विषय के रूप में | .. अधिकतम 5 अंकों तक। |
| रखा था, वाणिज्य में अंकों की प्रतिशतता को 20 द्वारा विभाजित करके। | |
| (iv) अभ्यर्थी जिनके पास वाणिज्य में स्नातक की डिग्री हो, के लिए अंकों की प्रतिशतता | .. अधिकतम 10 अंकों तक। |
| को 10 द्वारा विभाजित करके। | |

(ख) अनुभव :

किसी वंदायती राज संस्थान/सरकारी कार्यालय/सरकारी उपक्रम/संस्था/एजेंसी में	.. अधिकतम 10
निर्णायक हैसियत में मुसंगत कार्य करने के प्रत्येक एक वर्ष के अनुभव के लिए एक	अंकों तक।
अंक प्रदान किया जायेगा।	

- (ग) निजी साक्षात्कार .. अधिकतम 15 अंकों तक।
- (घ) अभ्यर्थी का सम्बन्धित ग्राम पंचायत का निवासी होन की दशा में .. 5 अंक
- (ङ) अभ्यर्थी का अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति या अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रवर्ग का होने की दशा में .. 7 अंक
- (च) अभ्यर्थी का गरीबी रेखा से नीचे के परिवार से होने की दशा में : 5 अंक
- (छ) अभ्यर्थी का शारीरिक विकलांगता की दशा में : 3 अंक
- (ज) अभ्यर्थी का ऐसे कुटुम्ब, जिसका कोई भी सदस्य सरकारी रोजगार में न हो, का सदस्य होने की दशा में : 5 अंक

(6) खण्ड विकास अधिकारी गुणागुण के क्रम में तीन अभ्यर्थियों का पैल बनायेगा और अभ्यर्थी जो पैल में प्रथम स्थान पर हैं, का पंचायत सहायक के पद पर नियुक्ति के लिये चयन किया जाएगा। अभ्यर्थी और सम्बन्धित ग्राम पंचायत को इस चयन के बारे में, लिखित में सूचित किया जाएगा :

परन्तु यह कि इन नियमों के नियम 7 के अधीन चयनित अभ्यर्थी द्वारा परीक्षा उत्तीर्ण न करने की दशा में, पैल से अगला अभ्यर्थी उक्त पद के लिये चयनित किया जाएगा और यदि दूसरा अभ्यर्थी भी परीक्षा उत्तीर्ण करने में असफल रहता है, तब तीसरे अभ्यर्थी को चयनित किया जाएगा :

परन्तु यह और कि यदि सभी तीन अभ्यर्थी इन नियमों के नियम 7 के अधीन परीक्षा को उत्तीर्ण करने में असफल रहते हैं, उस दशा में नया चयन किया जाएगा और तीन अभ्यर्थियों का नया पैल तैयार किया जाएगा।

7. प्रशिक्षण और परीक्षा.—(1) चयनित अभ्यर्थियों को ऐसी अवधि का प्रशिक्षण दिया जाएगा जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर अधिमूर्चित की जाए। प्रशिक्षण का उपबन्ध, पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान या जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविरों या ऐसे संस्थानों में किया जाएगा जो सरकार द्वारा अवधारित किए जाएंगे। फील्ड कार्यालयों में प्रशिक्षण के अन्तर्गत थ्योरी के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

(2) प्रशिक्षण कोर्स के अन्त में अभ्यर्थी को विभाग द्वारा संचालित लिखित परीक्षा देनी पड़ेगी और जो अभ्यर्थी कुल अंकों का न्यूनतम पचास प्रतिशत अंक प्राप्त करेगा, को ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति के विचार के लिए मात्र ममज्ञा जायेगा और जो अभ्यर्थी प्रथमतः असफल हो जाता है, को नये सिरे से साक्षात्कार देना होगा और दोबारा प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान असफल अभ्यर्थियों को दिया गया मानदेय उनसे वसूल किया जायेगा।

8. नियुक्ति के लिए निवन्धन और शर्तें.—(1) पंचायत सहायक के पद पर नियुक्ति पूर्णतः संविदा के आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए होगी जोकि पद ग्रहण करने की तारीख से गणना में ली जायेगी। सम्बन्धित ग्राम पंचायत नियुक्ति प्राधिकारी होगी और नियुक्ति पत्र प्ररूप-1 में प्रधान द्वारा जारी किया जायेगा पंचायत सहायक नियुक्ति पत्र प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिनों के भीतर कार्यग्रहण के लिए रिपोर्ट करेगा।

(2) सम्बन्धित ग्राम पंचायत का प्रधान प्ररूप-2 में पंचायत सहायक के रूप में नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति के साथ संविदा कगार पर हस्ताक्षर करेगा।

(3) यदि ग्राम पंचायत नियुक्त व्यक्ति की सेवाओं से सन्तुष्ट नहीं है या यथास्थिति जहां नियुक्त व्यक्ति अनुशासन का पालन नहीं कर रहा हो या भ्रष्टाचार में संलिप्त हो, निधियों का दुरुपयोग कर रहा या दण्डिक अपराध ने में प्त हो या उसे ममनदेशित किये गये कर्तव्यों का पालन करने में असफल रहा हो, तो ग्राम पंचायत यदि उचित ममझे तो एक महिने के पूर्व नोटिस पर पंचायत सहायक को निकाल/हटा सकेगी :

परन्तु यह कि पंचायत सहायक को तब तक निकाला/हटाया नहीं जा सकेगा जब तक कि उसे सुनवाई का व्यक्तिगत अवसर प्रदान न कर दिया जाये :

परन्तु यह और भी कि ग्राम पंचायत उप प्रधान सहित कुल निर्वाचित सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से इस निमित्त संकल्प पारित करके पंचायत सहायक की सेवाओं को समाप्त कर सकेगी ।

(4) उप-नियम (3) में किसी बात के होते हुए भी, यदि ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के ध्यान में यह आता है कि पंचायत सहायक द्वारा निधियों का ग़ौर दुरुपयोग या ग़बन किया गया है या ग्राम पंचायत या उक्त विभाग के किसी प्राधिकारी द्वारा उसे समनुदेशित किये गये कर्तव्यों को पूर्ण करने में असफल रहता है और उसका ग्राम पंचायत कार्यालय में बना रहना अवांछनीय है और ग्राम पंचायत उसकी संविदा को समाप्त करके उसकी सेवाएं समाप्त करने में असफल रहती है, उस दशा में जांच करने के पश्चात्, पंचायत सहायक की सेवाएं/संविदा को समाप्त किया जा सकेगा । इस निमित्त आदेश, जांच रिपोर्ट पर आधारित होगा और वह सम्बन्धित उप-मण्डलाधिकारी (सिविल) द्वारा जारी किया जायेगा और यह अन्तिम होगा :

परन्तु यह कि जांच प्रक्रिया के दौरान अपचारी पंचायत सहायक उप-मण्डलाधिकारी (सिविल के निर्णय तक खण्ड विकास अधिकारी द्वारा नियुक्त किये गये अन्य पंचायत सहायक या सचिव को ग्राम पंचायत के अभिलेख सहित नकदी, यदि कोई है, सौंप देगा ।

9. पंचायत सहायक की कार्य सारणी.—पंचायत सहायक निम्नलिखित कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेगा, अर्थात् :—

- (i) ग्राम पंचायत के लेखों का अनुरक्षण ;
- (ii) पंचायत अभिलेख सहित परिवार रजिस्टर/विवाह रजिस्टर इत्यादि का अनुरक्षण ;
- (iii) जन्म और मृत्यु का रजिस्ट्रीकरण ;
- (iv) आवेदकों को प्रतियां जारी करना ;
- (v) ग्राम पंचायत और ग्राम सभा की बैठकों का संचालन करना और उनकी कार्यवाहियों को वहां अभिलिखित करना और यथास्थिति, कार्यवाहियों की प्रतियां सम्बन्धित व्यक्ति या प्राधिकारी को भेजना ;
- (vi) मतदाता सूचियां तैयार करने में सहायता करना ;
- (vii) ग्राम पंचायत के शोध (देय) की वसूली करना ;
- (viii) ग्राम पंचायत द्वारा निरूपादित कार्यों का पर्यवेक्षण ;
- (ix) जन साधारण की शिकायतों को देखना ;
- (x) राशन कार्ड जारी करना ;
- (xi) समन जारी करना ;
- (xii) ग्राम पंचायत को प्राप्त तथ्यों और सम्पत्ति की देखरेख करना ; और
- (xiii) यथास्थिति राज्य सरकार के प्राधिकारियों या ग्राम पंचायत द्वारा समय-समय पर उसे समनुदेशित किये गये कोई अन्य कार्य (कर्तव्य) ।

—10. कार्य समय.—इन नियमों के अधीन पंचायत सहायक का पारिश्रमिक, ग्राम पंचायत के कार्यालय में दिन में कम से कम तीन घण्टे कार्य करने पर आधारित होगा । तथापि निश्चित समय सम्बन्धित ग्राम पंचायत द्वारा तय किया जायेगा :

परन्तु यह कि ग्राम पंचायत द्वारा कार्य समय को बढ़ाया जा सकेगा, यदि ग्राम पंचायत अनिश्चित कार्य समय के लिए रजामन्द हो ।

11. यात्रा और दैनिक भत्ते का संदाय.—पंचायत सहायक ग्राम पंचायत के कार्य कलापों के सम्बन्ध में उसके द्वारा की गई यात्रा के लिए, राज्य सरकार के वर्ग-VI के कर्मचारियों को अनुज्ञेय यात्रा और दैनिक भत्ते को लेने का हकदार होगा। यात्रा और दैनिक भत्ते हेतु व्यय का संदाय, ग्राम पंचायत द्वारा इसकी अपनी निधि में से किया जाएगा।

12. अवकाश.—(1) पंचायत सहायक कलैण्डर वर्ष में, राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किये गये अन्य राजपत्रित अवकाश के अतिरिक्त बारह दिन के आकस्मिक अवकाश और दो दिन के वैकल्पिक अवकाश के उपभोग के लिए हकदार होगा।

(2) यदि पंचायत सहायक महिला है, तो वह भी दो या दो से कम जीवित बच्चों के साथ अधिकतम बारह सप्ताह की प्रसूती छुट्टी व्यतीत करने की हकदार होगी।

(3) ग्राम पंचायत का प्रधान पंचायत सहायक की छुट्टियां मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होगा।

13. चयन प्रक्रिया से सम्बन्धित विवाद.—व्यथित पक्षकार सम्बन्धित उप-मण्डलाधिकारी (सिविल) को परिणाम घोषित होने की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर अपील कर सकेगा और उस पर उप-मण्डलाधिकारी का निर्णय अन्तिम होगा।

14. निरसन एवं व्यावृत्तियां.—अधिसूचना संख्या पी सी एच-एच0 बी0 (1) 43/02-25462-667, तारीख 20 अगस्त, 2001 द्वारा हिमाचल प्रदेश में ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक की नियुक्ति के लिये अधिसूचित स्कीम, इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को और से, निरसित हो जाएगी :

परन्तु निरसन निम्नलिखित को प्रभावित नहीं करेगा,—

- (क) निरमित स्कीम के पूर्व प्रवर्तन या उसके अधीन सम्यक् रूप से की गई या होने दी गई कोई बात, या
- (ख) निरमित स्कीम के अधीन, अर्जित, प्रोदभूत या उपगत कोई अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व, या
- (ग) निरमित स्कीम के अधीन नियुक्त किए गए पंचायत सहायक :

परन्तु यह और कि निरमित स्कीम के अधीन ग्राम पंचायतों द्वारा नियुक्त किये गये पंचायत सहायक इन विधियों के नियम 7 के अधीन प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और परीक्षा देंगे। वे नियम 8 के उप-नियम (2) के अधीन संविदा करार को भी हस्ताक्षरित करेंगे।

प्रारूप-1

[नियम 8 (1) देखें]

नियुक्ति-पत्र

ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक के पद के लिए, श्री/श्रीमती/कुमारी
 पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री निवासी गांव
 जिला तहसील
 शांति के सम्बन्ध में यह सूचित किया जाता है कि उक्त श्री/श्रीमती/कुमारी का उक्त पद के लिए

चयन कर लिया गया है। इसलिए उसे एतद्वारा, ग्राम पंचायत के लिए पंचायत सहायक के रूप में नियुक्ति का प्रस्ताव (आफर) निम्नलिखित शर्तें और निबन्धनों पर दिया जाता है, अर्थात् :-

1. यह कि उसे रुपये (अंकों में) (शब्दों में) प्रतिमास पारिश्रमिक संदत्त किया जायेगा ;
2. यह कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को समय-समय पर अनुज्ञेय अन्य भर्त्ते उसे संदेय नहीं होंगे ;
3. यह कि नियुक्ति, कार्यग्रहण की तारीख से, एक वर्ष के लिए संविदा के आधार पर होगी ;
4. यह कि नियुक्ति आगे भी नियम और संविदा में अधिकथित निबन्धन और शर्तों के अध्वधीन होगी।
5. यह कि उसके द्वारा कार्यग्रहण रिपोर्ट प्रस्तुत करते समय ग्राम पंचायत के समाधान के लिए पूर्ववृत्त सत्यापन प्रमाण-पत्र, कार्यकारी मैजिस्ट्रेट या वी राजपत्रित अधिकारियों द्वारा जारी किया हुआ होना चाहिए जो उसे कम से कम पिछले तीन वर्ष से जानते हों ;
6. यह कि पद पर कार्यग्रहण से पूर्व नियुक्ति सम्बन्धित जिला के मुख्यचिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी स्वच्छता के चिकित्सीय प्रमाण-पत्र के प्रस्तुतीकरण करने के अध्वधीन होगी ;
7. यथास्थिति, शैक्षणिक अर्हताएं, जाति, स्थायी निवासी, शारीरिक निःशक्तता, गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले सदस्य या पूर्व अनुभव के सम्बन्ध में मूल प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित प्रतियां कार्य ग्रहण रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करनी होंगी।

यदि उक्त निबन्धन और शर्तें उसे मन्जूर हों, तो वह अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में संविदा करार के निष्पादन के साथ-साथ कार्यग्रहण के लिए तुरन्त रिपोर्ट करे। परन्तु इस नियुक्ति पत्र के जारी होने की तारीख से पन्द्रह दिन के पश्चात् इसे स्वीकार नहीं किया जायेगा।

प्रधान,

स्थान

ग्राम पंचायत

तारीख

विकास खण्ड

जिला

हिमाचल प्रदेश।

श्री/श्रीमती/कुमारी

प्ररूप-2
[नियम 8(2) देखें]

करार

यह करार आज तारीख (मास) (वर्ष)
को श्री/श्रीमती/कुमारी पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री
निवासी गांव तहसील
जिला हिमाचल प्रदेश के बीच
किया गया, जो ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है
(जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रथम पक्षकार कहा गया है) और इसके प्रधान के माध्यम से ग्राम पंचायत
के बीच किया गया (जिसे इसमें इसके पश्चात् द्वितीय पक्षकार कहा जाता है) ;

यह कि द्वितीय पक्षकार प्रथम पक्षकार को, पक्षकारों के बीच एतद्द्वारा करार पाये गये निबन्धन और शर्तों पर पंचायत सहायक के रूप में नियुक्त करता है, अर्थात् :

1. यह कि प्रथम पक्षकार द्वितीय पक्षकार के पास आज वर्ष.....के.....मास के.....दिन को पंचायत सहायक के रूप में कार्य करेगा और यह विशेष रूप से वर्णित और दोनों पक्षकारों द्वारा मन्जूर किया गया है कि प्रथम पक्षकार के नियोजन का करार तारीख.....को स्वयं ही पर्यवसित (समाप्त किया गया) हो जायेगा। और द्वितीय पक्षकार द्वारा इस बारे में कोई औपचारिक सूचना/आदेश देना अनिवार्य नहीं होगा।
2. यह कि प्रथम पक्षकार, द्वितीय पक्षकार और अधिकारियों और प्राधिकारियों जिनके अधीन वह ग्राम पंचायत द्वारा समय-समय पर रखा जा सकेगा, के आदेशों पर स्वयं को प्रस्तुत करेगा और ग्राम पंचायत द्वारा इस निमित्त जारी किये गये अनुदेशों और निदेशों का पालन करेगा और ऐसे कर्तव्यों का निर्वहन करेगा जोकि उसे समनुदेशित किये जाएं।
3. यह कि प्रथम पक्षकार, द्वितीय पक्षकार की उसके समाधानप्रद रूप में दक्षापूर्ण सेवा करेगा और वह द्वितीय पक्षकार की सेवा में कार्य करने के लिए सम्पूर्ण समय निरत रहेगा और स्वयं को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उसके अपने खाते से किसी व्यापार या कारवार या उपजीविका में वचनबद्ध नहीं करेगा और वह, (सिवाए प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित दुर्घटना या विमारी की दशा में) द्वितीय पक्षकार की ओर से प्रथमतः प्रधान, ग्राम पंचायत से अनुज्ञा प्राप्त किये बिना अपने कार्य (कर्तव्यों) पर अनुपस्थित नहीं रहेगा। प्रथम पक्षकार, प्राधिकृत चिकित्सा अवकाश के सिवाए अनुपस्थिति को अवधि के लिए पारिश्रमिक और भत्तों का हकदार नहीं होगा।
4. प्रथम पक्षकार की सेवाएं निम्न प्रकार से समाप्त हो जाएगी, अर्थात् :—
 - (i) संविदाजात अवधि की समाप्ति पर ;
 - (ii) द्वितीय पक्षकार द्वारा बिना पूर्व सूचना के, यदि उसका समाधान हो जाता है कि प्रथम पक्षकार विमारी के कारण अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में अनुपयुक्त है और पर्याप्त अवधि के लिए उसके अनुपयुक्त रहने की सम्भावना है। द्वितीय पक्षकार का यह निर्णय कि प्रथम पक्षकार के अनुपयुक्त होने की सम्भावना आगे भी है प्रथम पक्षकार के लिए पूर्णतः बाध्यकर होगा ;
 - (iii) द्वितीय पक्षकार द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के, यदि प्रथम पक्षकार यथास्थिति, अवज्ञा असंयम या नैतिक अद्यमता या अन्य दुर्व्यवहार या इस करार या नियमों के किन्हीं उपबन्धों के किसी भंग या अपालन में प्रथम दृष्टया दोषी पाया जाए ; और
 - (iv) द्वितीय पक्षकार की ओर से बिना कारण बताए चाहे जो भी हो, ग्राम पंचायत का प्रधान इस करार के अधीन सेवा के दौरान किसी भी समय एक मास का लिखित नोटिस देकर या नोटिस के बदले एक मास के पारिश्रमिक के संदाय पर।
5. यह कि प्रथम पक्षकार द्वितीय पक्षकार की सेवा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकों की नियुक्ति और सेवा शर्तें) नियम, 2005 के उपबन्धों के अनुसार करेगा।
6. यह कि प्रथम पक्षकार द्वारा यह विनिर्दिष्ट रूप से तय पाया है कि सेवा के अनुक्रम में इस करार के अधीन उसे अपनी सेवा के नियमितकरण के लिए, दावा करने का कोई अधिकारी नहीं होगा।

इसके साक्ष्य स्वरूप प्रथम पक्षकार और प्रतिभू ने अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं और द्वितीय पक्षकार ने सचिव के माध्यम से द्वितीय पक्षकार के लिए और की ओर से हस्ताक्षर कर दिये हैं।

प्रथम पक्षकार द्वारा निम्नलिखित की
उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया :

(प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर)

प्रथम साक्षी :

(प्रतिभू के हस्ताक्षर)

पता

उपजिविका

द्वितीय साक्षी :

(प्रतिभू के हस्ताक्षर)

पता

उपजिविका

द्वितीय पक्षकार द्वारा निम्नलिखित
की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया :

(द्वितीय पक्षकार के हस्ताक्षर)

प्रथम साक्षी :

पता

उपजिविका

द्वितीय साक्षी :

पता

उपजिविका

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-,
सचिव (पंचायती राज)।

[Authoritative english text of this Department Notification number PCH-HA(3)3/2004, dated 21st May, 2005 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India].

PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171009, the 21st May, 2005

No. PCH-HA(3)3/2004.—Whereas the draft of the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and conditions of service of Panchayat Sahayaks in Gram Panchayats) Rules, 2005 was published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra-ordinary) for inviting objections and suggestions from the general public dated 5th February, 2005 vide this department notification of even number, dated 4th February, 2005 as required under the provisions of section 186 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (Act No. 4 of 1994);

And whereas, the objections/suggestions received during the stipulated period have been duly considered by the State Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under section 186 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (Act No. 4 of 1994), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules for carrying out the purposes of the aforesaid Act, namely:—

1. *Short title.*—These rules may be called the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and conditions of service of Panchayat Sahayaks in Gram Panchayats) Rules, 2005.

2. *Definitions.*—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994.

(b) “Field offices” means the offices of Gram Panchayats ; and

(c) “Form” means a form appended to these rules.

(2) The words and expressions used but not defined in these rules shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

3. *Number of posts and their scales of pay.*—There shall be one post of Panchayat Sahayak in every Gram Panchayat and he shall be paid remuneration of six hundred rupees per month during the training period and one thousand rupees per month after appointment. The remuneration shall be paid by the Gram Panchayat concerned for which the State Government shall provide Grant-in-aid :

Provided that there shall not be appointed Panchayat Sahayak in a Gram Panchayat where there is already appointed a Panchayat Secretary :

Provided further that in so far as the Gram Panchayat funds from its own sources allow, it may pay higher remuneration to Panchayat Sahayak.

4. *Minimum educational and other qualifications required.*—(1) The candidate to be appointed as Panchayat Sahayak must possess minimum educational qualification of Matric or its equivalent passed in second division from Board of School Education recognized by the Himachal Pradesh Government :

Provided that the Panchayat Sahayak already appointed by the Gram Panchayat under the scheme notified by the Government vide notification No. PCH-HB(1) 43/01-25462-667, dated 20th August, 2001 shall also be eligible) for appointment under these rules.

5. *Age and other eligibility conditions.*—A person to be appointed as Panchayat Sahayak shall be eligible, if,—

(a) he has attained the age of 18 years as on 1st January of the year in which he applies to the post;

(b) he is a bonafide resident of the concerned district ;

(c) he is of sound mind and good health ;

(d) he has not been disqualified for appointment in Public Service or removed from Public Service on disciplinary grounds or has sought voluntary retirement under any Voluntary Retirement Scheme ;

(e) he has not been convicted of any offence involving moral turpitude ; and

(f) he has not any outstanding dues payable to the State Government or the Gram Panchayat.

6. *Inviting of applications and procedure for selection.*—(1) The Gram Panchayat shall invite applications by making wide publicity through a notice on the notice board of the Gram Panchayat, Patwar Khana, Mahila Mandal Bhawan, Yuvak Mandal Bhawan, Community Centre etc. A copy of the notice shall also be displayed on the notice board of the office of the Block Development Officer of the concerned Development Block. A minimum period of fifteen days shall be given for inviting applications from the date of notice and the application shall be received by the Pradhan or by Secretary of the Gram Panchayat, as the case may be. The application shall be acknowledged with receipt duly signed and stamped by the Pradhan or the Secretary, as the case may be.

(2) Immediately after the expiry of the period specified for inviting of applications, all the applications received shall be sent to the Block Development Officer concerned and he shall fix the date, time and place for conduct of interview of Panchayat Sahayak Gram Panchayat-wise. The Block Development Officer shall issue a notice, intimating the time schedule fixed for interview, to the members of the selection committee and as well as to the applicants :

Provided that there shall be a minimum period of ten days between the date of interview and date of issue of notice.

(3) Interview shall be conducted by the following Selection Committee:—

- | | | |
|--|----|------------------|
| (i) Chairman Panchayat Samiti | .. | Chairman |
| (ii) Pradhan of concerned Gram Panchayat | .. | Member |
| (iii) Block Development Officer | .. | Member Secretary |

(4) The selection committee shall verify the certificates with their originals. Excluding Chairman of the committee, not less than one-half of the members shall form the quorum.

(5) The Block Development Officer, on the basis of the information supplied by the candidates alongwith their applications shall compile a date list by following the criteria given hereunder and the exercise of compilation of said data shall be completed before the date of interview and ensure that this data shall be provided to the selection committee on the date of interview for verification of the same with the original record brought by the candidates on the date of interview. The selection shall be made on the basis of the performance of the candidates purely on merit basis out of the total one hundred marks which shall be divided in the following manner:—

(A) **Educational Qualifications:—**

- | | | |
|---|---|----------------------------|
| (i) Percentage of marks obtained in Metric or its equivalent divided by 3.3. | : | to the maximum of 30 marks |
| (ii) Percentage of marks in Ten plus Two (10+2) divided by 20. | : | to the maximum of 5 marks |
| (iii) Percentage of marks in commerce divided by 20 for candidates having Commerce as one of the subjects in Ten plus Two (10+2). | : | to the maximum of 5 marks |
| (iv) Percentage of marks divided by 10 for candidates having degree of Bachelor of commerce. | : | to the maximum of 10 marks |

(B) Experience :

(Two marks shall be awarded for every one year of experience in relevant nature of duties in any Panchayati Raj Institution, Government Office, Government undertaking/institution/agency in a clerical capacity. : to the maximum of 10 marks

(C) Personal Interview : to the maximum of 15 marks

(D) In case the candidate is resident of the concerned Gram Panchayat. : 5 marks

(E) In case of candidate belongs to the category of Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Other Backward Classes. : 7 marks

(F) In case of candidate belongs to Below Poverty Line family. : 5 marks

(G) In case of candidate is physically handicapped : 3 marks

(H) In case of candidate belongs to a family having no member in the employment of Government. : 5 marks

(6) The Block Development Officer shall draw a panel of three candidates in the order of merit and the candidate who is first on panel shall be selected for appointment to the post of Panchayat Sahayak. The Candidate and Gram Panchayat concerned shall be informed about this selection, in writing :

Provided that the event of non qualifying of examination by the selected candidate, under rule 7 of these rules, the next candidate from the panel shall be selected for the said post and in case the second candidate also fails to qualify the examination then third candidates shall be selected :

Provided further that if all the three candidates fail to qualify the examination under rule 7 of these rules, in that event fresh selection shall be made and a new panel of three candidates shall be prepared.

7. Training and Examination.—(1) The Selected candidates shall be provided training of such duration as may be notified by the Government from time to time. The training shall be provided at the Panchayati Raj Training Institutes or at the District level training camps or at such institutes as may be determined by the Government. The training shall include theory as well as practical training in the field Offices.

(2) At the end of training course the candidates shall have to undergo a written examination conducted by the department and the candidates securing minimum of fifty percentum of total marks shall be considered eligible for appointment by the Gram Panchayats and the candidates who fail to qualify at the first instance shall have to face fresh interviews and undergo the training again. Remuneration paid to the unsuccessful candidates during the training period shall be recovered from them.

8. Terms and conditions for appointment.—(1) The appointment to the post of Panchayat Sahayak shall be purely on contract basis for a period of one year which shall be reckoned from the date of joining. The Gram Panchayat concerned shall be the appointing

Authority and the appointment letter shall be issued by the Pradhan in Form-1. The Panchayat Sahayak shall report for duty within fifteen days from the date of receipt of appointment letter.

(2) The Pradhan of the Gram Panchayat concerned shall sign the contract agreement with the person to be appointed as the Panchayat Sahayak in Form-2.

(3) The Gram Panchayat, if deems proper, may disengage/remove the Panchayat Sahayak with a prior notice of one month if the Gram Panchayat is not satisfied with the services of the appointee or in case the appointee is not maintaining the discipline or has indulged in corruption misutilisation of funds and in any criminal offence or fails to perform the duties assigned to him, as the case may be:

Provided that the Panchayat Sahayak shall not be disengage/removed unless he has been given an opportunity of being heard :

Provided further that the Gram Panchayat shall terminate the services of the Panchayat Sahayak by Passing a resolution in this behalf by a majority of two-thirds of the total elected members including Up-Pradhan.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3) if it comes to the notice of the Rural Development and Panchayati Raj Departments that there has been gross misutilization or embezzlement of funds by the Panchayat Sahayak or he has failed to perform the duties assigned to him by the Gram Panchayat or any authority of the above departments and his continuance in the office of Gram Panchayat is undesirable and the Gram Panchayat fails to disengage his services by terminating his contract, in that event after an enquiry, the services/contract of the said Panchayat Sahayak shall be terminated. The order in this behalf shall be based on the enquiry report and the same shall be issued by the Sub-Divisional Officer (Civil) concerned and it shall be final :

Provided that during the course of enquiry the delinquent Panchayat Sahayak shall hand over the record of the Gram Panchayat including cash, if any, to another Panchayat Sahayak or Secretary, as the case may be, appointed by the Block Development Officer till the decision of the Sub-Divisional Officer (Civil).

9. *Job Chart of Panchayat Sahayak.*—The Panchayat Sahayak shall perform following duties and responsibilities, namely:—

- (i) maintenance of accounts of Gram Panchayat ;
- (ii) maintenance of Panchayat record including Pariwar Register Marriage Register etc. ;
- (iii) registration of Births and Deaths ;
- (iv) issue of copies to applicants ;
- (v) conduct Gram Panchayat and Gram Sabha meetings and to record proceedings thereof and to send the copies of the proceedings to the concerned person or authority, as the case may be ;
- (vi) assist to in preparation of voter lists ;
- (vii) collection of dues of Gram Panchayat ;
- (viii) supervision of works executed by Gram Panchayat ;
- (ix) to attend grievances of public ;
- (x) issue ration cards ;
- (xi) issue summons ;
- (xii) look after the assets and property of the Gram Panchayat ; and

(xiii) any other duties assignd to him by the athorities of the State Government or by the Gram Panchayat from time to time, as the case may be .

10. *Working hours.*—The remuneration of Panchayat Sahayak under these rules shall be based on minimum of three working hours a day in the Office of the Gram Panchayat. However, the exact timings shall be decided by the Gram Panchayat concerned:

Provided that the working hours may be increased by the Gram Panchayat, if it is willing to pay for the extra hours of work.

11. *Payment of Travel and Daily Allowance.*—The Panchayat Sahayaks shall be entitled to travelling and daily allowances for journeys performed by him in connection with the affairs of Gram Panchayat as admissible to Grade-VI servants of the State Government. The expenditure on account of payment towards travelling and daily allowances shall be borne by the Gram Panchayat out of its own funds.

12. *Leave.*—(1) The Panchayat Sahayak shall be entitled for availing twelve days casual leave and two days restricted leave in a calendar year besides the other Gazetted holidays notified by the State Government from time to time.

(2) If the Panchayat Sahayak is a woman, she shall also be entitled to avail maximum of twelve weeks maternity leave with two or less than two surviving children.

(3) The Pradhan of Gram Panchayat shall be the competent authority for sanctioning the leave to the Panchayat Sahayak.

13. *Dispute relating to selection Procedure.*—Aggrieved party may file an appeal before the Sub-Divisional Officer (Civil) concerned with in thirty days from the declaration of result and the decision thereon of the Sub-Divisional Officer (Civil) shall be final .

14. *Repeal and Savings.*—On and from the date of commencement of these rules, the scheme notified for appointment of Panchayat Sahayaks in Gram Panchayat in Himachal Pradesh vide notification number PCH-HB(1) 43/01-25462-667, dated 20th August, 2001 shall stand repealed:

Provided that the repeal shall not effect,—

- (a) the previous operation of the repealed scheme, or anything duly done or suffered thereunder, or
- (b) any right, privilege, obligation or liability acquired accrued or incurred under the repealed scheme, or
- (c) the Panchayat Sahayaks appointed under the repealed scheme:

Provided further that the Panchayat Sahayaks appointed by the Gram Panchayats under the repealed scheme shall undergo training and examination under rule 7 of these rules. They shall also have to sign the contract agreement under sub-rule (2) of rule 8.

FORM-1

[See rule 8 (1)]

APPOINTMENT LETTER

With reference to the application for the post of Panchayat Sahayak in Gram Panchayat
..... received from Shri/Smt./Kumari.....

Son/wife/daughter of Shri resident of Village
Tehsil District it is informed that the said Shri
Smt. Kumari has been selected for the post. Therefore, he
is hereby offered appointment as Panchayat Sahayak in Gram Panchayat
on the following terms and conditions :—

1. That there shall be paid to him a remuneration of rupees (in figures) (in words) per month ;
2. That no other allowance, whatsoever admissible to the employees of State Government from time to time shall be paid to him ;
3. That the appointment shall be on contract basis for period of one year from the date of joining ;
4. That the appointment shall further be subject to terms and conditions laid down in the rules and agreement ;
5. That the antecedent verification certificate to the satisfaction of the Gram Panchayat from the Executive Magistrate or two Gazetted Officers known to him at least for the last three years shall be given by him at the time of submission of joining report ;
6. That the appointment shall be subject to the production of Certificate of medical fitness issued by the Chief Medical Officer of the concerned district before joining to the post ;
7. That the attested copies of original certificates in respect of educational qualifications, caste, bonafide, resident, physically handicapped, member belonging to below poverty line or past experience, as the case may be, shall be submitted alongwith joining report.

In case, the above terms and conditions are acceptable to him, he may report for execution of the contract agreement as well as for joining duty in the office of undersigned immediately but not later than fifteen days from the date of issue of this appointment letter.

Place

Pradhan,

Gram Panchayat
Development Block
District
Himachal Pradesh.

Date

Shri/Smt./Kr.....

.....

.....

FORM-2

[See rule 8 (2)]

AGREEMENT

This agreement is made on this day of (Month)
..... (year between Shri/Smt./Kumari.....
son/wife/daughter of Shri resident of Village
Tehsil District Himachal Pradesh, who has

been appointed as Panchayat Sahayak in Gram Panchayat..... (hereinafter referred to as the first party) and the Gram Panchayat.....through its Pradhan (hereinafter referred to as the second party) .

WHEREAS the second party has appointed the first party as Panchayat Sahayak on the terms and conditions hereinafter agreed between the parties:—

- (1) That the first party shall serve the second party as Panchayat Sahayak for a period of one year on contract basis comencing from this day of (Month) (Year) and it is specifically mentioned and agreed by both the parties that the contract of employment of the first party shall *ipso facto* stand terminated on and no formal notice/order by the second party conveying the same shall be necessary.
- (2) That the first party shall submit himself to the orders of the second party and of the officers and authorities under whom he may from time to time be placed by the Gram Panchayat and shall obey the instructions or directions issued by the Gram Panchayat in this behalf and shall perform such duties as may be assigned to him.
- (3) That the first party shall serve the second party efficiently and to the best of his satisfaction and it shall devote his whole time to the duties of the service of the second party and shall not engage himself directly or indirectly in any trade or business or occupation on his own account and also that he shall not (except in case of accident or sickness certified by the Authorized Medical Officer) absent himself from his duties without having first obtained permission from the Pradhan, Gram Panchayat on behalf of the second party. The first party shall not be entitled for remuneration and allowances for the period of absence except the authorised medical leave.
- (4) The services of the first party shall stand terminated,—
 - (i) at the end of contractual period ;
 - (ii) without previous notice by the second party, if it is satisfied that the first party is unfit and is likely to continue to be unfit for a considerable period by reason of his ill health for the discharge of his duties. The decision of the second party that the first party is likely to continue to be unfit shall be conclusively binding on the first party ;
 - (iii) by the second party without any previous notice if the first party is found to be *prima facie* guilty of any insubordination or intemperance or moral turpitude or other misconduct or if any breach or non performance of any of the provisions of this agreement or rules, as the case may be ; and
 - (iv) by one month notice in writing given at any time during service under this agreement by the Pradhan, Gram Panchayat on behalf of the second party without assigning any reason whatsoever or on payment of one month remuneration in lieu of the notice.
- (5) That the first party shall serve the second party in accordance with the provisions of the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and Conditions of Service of Panchayat Sahayaks in Gram Panchayats) Rules, 2005.

(6) That it is specifically agreed by the first party that during the course of service under this agreement he shall not claim any right for regularisation of his service.

IN WITNESS WHEREOF the first party and the sureties have hereunto set their hands and the second party through its Secretary for and on behalf of the second party has hereunto set his hand.

Signed by the first party in the presence of :

.....
(Signature of the first party).

First witness :
Address.....

.....
(Signature of the surety).

Occupation.....

Second witness :

.....
(Signature of the surety).

Address.....
Occupation.....

Signed by the second party in the presence of :

First witness :
Address.....

.....
(Signature of the second party).

Occupation.....

Second witness :

Address.....
Occupation.....

By order,

Sd -

Secretary (Panchayati Raj).

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, जिमला-5 द्वारा मूद्रित तथा प्रकाशित